उत्तराखण्ड सरकार
मा.मुख्यमंत्री प्रेस सूचना ब्यूरो
(सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग)
सचिवालय परिसर, सूभाष रोड, देहरादून
E-mail : infodirector.uk@gmail.com
Website : www.uttarainformation.gov.in

नई टिहरी/देहरादून 09 फरवरी, 2018(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–04(02/29)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने शुक्रवार को जिला चिकित्सालय, बौराड़ी, टिहरी में टेलीमेडिसन सेवा केन्द्र एवं राष्ट्रीय किशोरी स्वास्थ्य योजनान्तर्गत दक्षता प्रयोगशाला का लोकार्पण किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने जनपद के 10 दूरस्थ क्षेत्रों के लिए बनाये गये टेलीमेडिसन केन्द्र का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र ने कहा कि शीघ्र ही सरकार जनपद के दूरस्थ क्षेत्रों में चिकित्सकों की नियुक्ति करने जा रही है, तथा महिलाओं के लिए स्त्री रोग विशेषज्ञों की नियुक्ति को भी प्राथमिकता दी जायेगी।

मुख्यमंत्री ने जिला चिकित्सालय में भर्ती बुजुर्ग लोगों के वार्ड में पहुंचकर उनके स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने चिकित्सकों को उनके उपचार में किसी भी प्रकार की कोताही न बरतने के निर्देश दिये है।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री को पानी की गुणवत्ता तथा क्षमता की जानकारी लेने के लिए आई.आई. टी. कानपुर के छात्रों द्वारा बनाई गयी मशीन के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया कि इस मशीन से आपदा के दौरान दूरस्थ क्षेत्रों में स्थित पानी के टेंको की क्षमता व गुणवत्ता के बारे में जीपीएस उपकरण के माध्यम से जानकारी मिल सकती है।

इस अवसर पर विधायक श्री धन सिंह नेगी, श्री शक्तिलाल शाह, सचिव मुख्यमंत्री श्रीमती राधिका झा, सचिव सूचना डॉ.पंकज कुमार पाण्डेय, जिलापंचायत अध्यक्ष सोना सजवाण, जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका, एसएसपी श्रीमती बिमला गुंज्याल सहित भारी संख्या में क्षेत्रीय जनता व स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

नोट– जिला सूचना कार्यालय, नई टिहरी से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के आधार पर।

नई टिहरी/देहरादून 09 फरवरी, 2018(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–03(02/28)**

उत्तराखण्ड का नैसगिृक सौन्दर्य देखकर देश के अधिक से अधिक फिल्म निर्माता उत्तराखण्ड में फिल्मों का निर्माण करेंगे ताकि उत्तराखण्ड की पहचान देश–विदेश में हो। इसको देखते हुए सरकार ने फिल्म की शूटिंग के लिये शुल्क नही लेने का निर्णय लिया है। यह बात मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने शुक्रवार को नई टिहरी में फिल्म प्रोड्यूसर श्री नितिन चन्द्रचूड एवं श्री नारायण सिंह के निर्देशन में बनने वाली फिल्म ''बिजली गुल मीटर चालू'' के मुर्हुत के दौरान उपस्थित जनसामान्य को सम्बोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र ने कहा कि इस क्षेत्र में फिल्मों के निर्माण/फिल्मांकन हेतु व्यापक सम्भावनायें है। आवश्यकता है उसको गहराई में देखने की। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड देवभूमि है। यहॉ तीर्थ स्थलों के साथ ही साधकों की तपोस्थली भी है। जिसके बारे में इस क्षेत्र के सूदूर अॅचलों में जाने से जानकारी हो सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि टिहरी ने इस देश को बहुत कुछ दिया है। अब टिहरी के विकास के लिए कुछ करने का समय आया है। इसलिए जब फिल्म निर्माताओं के द्वारा उत्तराखण्ड में फिल्म निर्माण की इच्छा जताई गई तो सरकार ने टिहरी को पहली प्राथमिकता दिये जाये जाने की बात कही।

मुख्यमंत्री ने टिहरी के इतिहास के बारे में बताते हुए खेट पर्वत से लेकर सेम मुखेम गंगू रमोला तथा मलेथा के वीर भड माधौ सिंह के बारे में विस्तृत जानकारी फिल्म से जुडे लोगों को बताई। उन्होंने कहा कि टिहरी भिलंगना व भागीरथी नदियों का संगम रहा है और इस टिहरी बॉध झील से यहॉ का इतिहास जुडा है। उन्होंने कहा कि फिल्मों की शूटिंग के लिये शुल्क अब नही लिया जायेगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में फिल्म निर्माण से यहॉ के लोगों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रुप से रोजगार मिलेगा। जिससे उनकी आर्थिकी में सुधार होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि टिहरी झील को भी फिल्मों की शूटिंग के लिये विकसित किया जा रहा है।

इस फिल्म में मुख्य कलाकर के रुप में फिल्म अभिनेता श्री शाहिद कपूर व फिल्म अभिनेत्री सुश्री श्रृद्धा कपूर के अलावा अन्य कलाकार भी शामिल है, जो जनपद के विभिन्न स्थानों पर इस फिल्म की शूटिंग करेंगे।

इस अवसर पर विधायक श्री धन सिंह नेगी, श्री शक्तिलाल शाह, सचिव मुख्यमंत्री श्रीमती राधिका झा, सचिव सूचना डॉ.पंकज कुमार पाण्डेय, जिलापंचायत अध्यक्ष सोना सजवाण, जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका, एसएसपी श्रीमती बिमला गुंज्याल सहित भारी संख्या में क्षेत्रीय जनता व स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

नोट– जिला सूचना कार्यालय, नई टिहरी से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के आधार पर।

देहरादून 09 फरवरी, 2018(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–02(02/27)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने शुक्रवार को दून विश्वविद्यालय देहरादून में डॉ.नित्यानन्द हिमालयी शोध एवं अध्ययन केन्द्र का भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। 0.39 हैक्टेयर भूमि पर 15 करोड़ रूपये की अनुमानित लागत से निर्मित होने वाले इस शोध एवं अध्ययन केन्द्र का निर्माण ब्रिडकुल द्वारा किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जतायी कि इस हिमालयी शोध एवं अध्ययन केन्द्र के भवन का निर्माण कार्य एक वर्ष में पूर्ण कर लिया जायेगा।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ.नित्यानन्द जी ने एक साधक की तरह मन, वचन एवं कर्म से समाज सेवा की। उनका हिमालय से बेहद अनुराग था। हिमालय सबके लिए आकर्षण का केन्द्र रहा है। हिमालय को वैज्ञानिकों और साधकों ने अनेक रूपों में देखा है। भूगर्भ शास्त्रियों, वैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों एवं भूगोलविदों ने हिमालय एवं उससे जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में शोध कार्य किया। हिमालय पर बहुत कुछ अध्ययन किया जा चुका है और अभी भी बहुत अध्ययन करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि समय के साथ परिस्थितियों एवं परिवेश में परिवर्तन हो रहा है। हिमालय पर सतत् अध्ययन हो इसलिए डॉ.नित्यानन्द जी के नाम पर इस शोध अध्ययन केन्द्र का शिलान्यास किया गया। आने वाले समय में जो यहां शोध होंगे वे हिमालय के सतत विकास के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि पलायन को रोकने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सभी 670 न्याय पंचायतों को ग्रोथ सेंटर के रूप में विकसित किया जा रहा है। ये न्याय पंचायतें नई टाउनशिप के रूप में विकसित होंगी, जो हमारी इकॉनोमिक ग्रोथ के केन्द्र होंगे। स्थानीय उत्पादों को अर्थव्यवस्था से जोड़कर टाउनशिप विकसित किये जाने की योजना है। राज्य सरकार 13 डिस्ट्रक्ट–13 न्यू डेस्टीनेशन पर कार्य कर रही है। रेल, हवाई एवं ऑल वेदर रोड की कनेक्टिविटी से राज्य में पर्यटन को और अधिक बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने इन योजनाओं को पूर्णतः साकार करने के लिए कार्यक्रम में उपस्थित बुद्धिजीवी वर्ग के सुझावों की अपेक्षा की। विज्ञान भारती द्वारा हिमालयन विज्ञान महोत्सव 2018 का आयोजन 03 मई से 06 मई 2018 तक ओएनजीसी परिसर में आयोजन किया जायेगा। इसमें उद्यमिता, ग्राम विकास पर वैज्ञानिक आधार पर रोडमैप तैयार किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हिमालयन विज्ञान महोत्सव 2018 से सम्बन्धित विवरणिका का विमोचन भी किया।

उच्च शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए विद्यालयों का कलैण्डर जारी किया गया। प्रत्येक सत्र में 180 दिन की पढ़ाई अनिवार्य की गई है। 30 दिन में परीक्षाएं पूर्ण करने एवं परीक्षा के बाद 30 दिन में परीक्षा परिणाम घोषित करने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड देश का पहला ऐसा राज्य है जहां प्रत्येक विद्यालयों में प्रधानाचार्य हैं। 877 असिस्टेंट प्रोफेसरों की भर्ती प्रक्रिया गतिमान है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को शत प्रतिशत पुस्तके उपलब्ध कराने के लिए पुस्तकदान अभियान चलाया जा रहा है।

इस अवसर पर दून विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.चन्द्रशेखर नौटियाल एवं आर.एस.एस.के सह–सरकार्यवाहक डॉ. गोपाल कृष्ण ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

कार्यक्रम में विधायक श्री हरबंस कपूर, श्री विनोद चमोली, श्री खजान दास, भाजपा के अध्यक्ष श्री अजय भट्ट, विश्व हिन्दू परिषद के श्री दिनेश चन्द्र, भाजपा नेता श्री विनय गोयल, श्री सुनील उनियाल 'गामा', अपर मुख्य सचिव डॉ रणवीर सिंह,यूसैक के निदेशक डॉ.एमपीएस बिष्ट, लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ.डीपी जोशी एवं विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं शिक्षाविद् उपस्थित थे।

देहरादून 09 फरवरी, 2018(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–01(02/26)**

प्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को कम्प्यूटरीकृत किये जाने के लिये वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिये भारत सरकार से स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष अवशेष धनराशि 2,26,93,710/–(दो करोड़ छब्बीस लाख तिरानब्बे हजार सात सौ दस) में से केन्द्रांश के रूप में 02 करोड़ की धनराशि आयुक्त खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति को उपलब्ध करायी गई है।

इस सम्बन्ध में प्रमुख सचिव श्री आनन्द वर्द्धन द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह धनराशि प्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के कम्प्यूटरीकरण कार्य हेतु भारत सरकार द्वारा जारी दिशा–निर्देर्शों के अनुरूप व्यय की जायेगी।

जारी शासनादेश में पूर्व में यह भी स्पष्ट किया गया है कि इस प्रयोजन हेतु भारत सरकार द्वारा स्वीकृत कुल 5,24,36,000 की धनराशि के सापेक्ष वर्ष 2016–17 में केन्द्रांश के रूप में 2,97,42,290 तथा राज्यांश के रूप में 2,97,42,290 की धनराशि व्यय की जा चुकी है।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।